भारत सरकार
पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1105
(दिनांक 16.12.2013 को उत्तर दिए जाने के लिए)

खुले में शौच

1105. श्री भुपेन्द्र यादवः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को विश्व बैंक के इस प्राक्कलन की जानकारी है कि देश की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी, 620 मिलियन से अधिक लोग खुले में शौच करते हैं और जनगणना के आंकड़ों के अनुसार ज्यादातर घर ऐसे हैं जिनमें शौचालय सुविधाओं की तुलना में टेलीविजन और फोन की सुविधा है;
(ख) क्या सरकार ने स्वच्छता आदतों और संज्ञानात्मक उपलब्धि तथा विकास के बीच संबंध के बारे में कोई अध्ययन कराए हैं और यदि हां, तो उनके निष्कर्ष क्या हैं और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है;
(ग) क्या सरकार 2017 तक निर्मल भारत अभियान (एनबीए) के लक्ष्यों को हासिल करने की राह पर है, जैसाकि इसके मिशन वक्तव्य में घोषणा की गई है; और
(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी राज्य–वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेयजल और स्वच्छता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री भरतसिंह सोलंकी)

(क) जी, हाँ। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) तथा संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (यूनीसेफ) द्वारा प्रकाशित संयुक्त अनुवीक्षण कार्यक्रम (जेएमपी) रिपोर्ट अद्यतन–2013 के अनुसार, भारत की आबादी का 50% (620 मिलियन आबादी) खुले में शौच करता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में 46.9% परिवारों में परिसर में ही शौचालय हैं, 47.2% परिवारों में टेलीविजन उपलब्ध हैं तथा 63.2% परिवारों में टेलीफोन हैं।
(ख) जी, नहीं।
(ग) ग्रामीण स्वच्छता के लिए 12वीं योजना के उद्देश्य 50% ग्राम पंचायत को वर्ष 2017 तक निर्मल ग्राम बनाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार ने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संशोधित कार्यनीतियाँ अपनाकर ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम को नया स्वरूप देकर निर्मल भारत अभियान की शुरूआत की है।
(घ) चूंकि निर्मल भारत अभियान मांग आधारित कार्यक्रम है, अतः एनबीए के अंतर्गत इसके लिए वर्ष–वार लक्ष्य नहीं रखे गए हैं। तथापि, संपूर्ण स्वच्छता अभियान (टीएससी)/निर्मल भारत अभियान (एनबीए) के अंतर्गत इस मंत्रालय की ऑनलाइन समेकित प्रबंधन सूचना प्रणाली में राज्यों द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान दर्शाई गई उपलब्धियां अनुलग्नक–I पर दी गई है।

****

अनुलग्नक -1

दिनांक 16.12.2013 को उत्तर दिए जाने हेतु राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1105 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

पिछले तीन वर्षों के दौरान टीएससी/एनबीए के अंतर्गत निर्मित पारिवारिक शौचालय, स्कूली शौचालय और आँगनवाडी शौचालय, राज्य/संघराज्य क्षेत्र–वार

क्र.सं.	राज्य/संघराज्य क्षेत्र का नाम	2010-11			2011-12			2012-13		
		पारिवारिक	स्कूली	आँगनवाडी	पारिवारिक	स्कूली शौचालय	आँगनवाडी	पारिवारिक	स्कूली	आँगनवाडी
1	आंध्र प्रदेश	1049704	3961	816	654282	7308	1048	384279	4199	1574
2	अरूणाचल प्रदेश	19799	335	331	27781	4	76	5760	0	8
3	असम	498849	4528	1004	510243	633	120	273240	77	76
4	बिहार	717792	8679	309	839927	22575	1521	796699	17009	4822
5	छत्तीसगढ	236164	616	262	82496	1918	365	52045	1387	220
6	दादर एवं नागर हवेली	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	गोवा	800	0	0	0	0	0	0	0	0
8	गुजरात	515224	2323	2343	321357	5182	474	171977	4666	451
9	हरियाणा	132137	1340	870	103913	657	633	62949	148	315
10	हिमाचल प्रदेश	216571	6429	4400	30066	802	132	5183	1215	1066
11	जम्मू एवं कश्मीर	125228	1480	42	70626	2682	97	71900	2011	76
12	झारखण्ड	296678	2158	1451	53479	1228	1067	48500	613	684
13	कर्नाटक	810104	4719	3025	414782	1062	1046	296429	1758	687
14	केरल	20241	29	195	2188	76	60	5674	34	322
15	मध्य प्रदेश	1166016	16570	4419	900769	43687	1856	558189	1033	804
16	महाराष्ट्र	562183	4222	1574	519563	539	579	189306	159	5800
17	मणिपुर	49576	1227	779	55306	703	144	43917	0	53
18	मेघालय	65417	2833	710	51550	2077	595	14406	1603	130
19	मिजोरम	1611	0	0	17237	0	236	4967	106	219
20	नागालैंड	18224	578	60	46318	304	168	22149	28	20
21	ओडिसा	853303	3418	1459	359171	1984	3320	118318	1138	956
22	पुदुचेरी	77	0	0	0	0	0	0	0	0
23	पंजाब	118415	1000	1951	32535	5	1197	57421	345	620
24	राजस्थान	750948	6323	1734	730385	5297	2015	252800	15511	3421
25	सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0
26	तमिलनाडु	473647	1464	182	410794	5605	1202	324216	3095	2076
27	त्रिपुरा	30392	588	645	24761	1035	777	7035	412	2
28	उत्तर प्रदेश	2915407	18410	16076	1613384	18	504	134873	30	80
29	उत्तराखण्ड	132913	219	6	125051	192	29	97815	344	19
30	पश्चिम बंगाल	466311	12060	6180	800900	16898	9148	559115	19475	12176
	कुल योग:-	**12243731**	**105509**	**50823**	**8798864**	**122471**	**28409**	**4559162**	**76396**	**36677**